सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादक: रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, बुधवार, 19 नवंबर, 2025

वर्ष: 02, अंक: 308, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

इनसाइड कानपुर में लगातार एटीएस-एनआईए की छापेमारी... » Pg03

लखनऊ से नोएडा तक इंडिया टुडे की कवर स्टोरी पर सपा का महासंग्राम!

» Pg12

दिल्ली ब्लास्ट मामले में आधी रात बैठी अदालत

अल-फलाह ग्रुप के चेयरमैन सिद्दीकी पर ईडी का शिकंजा

13 दिनों के लिए हिरासत में भेजा, बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी फर्जीवाड़े व मनी लॉन्ड्रिंग के संकेत, कल हुई थी गिरफ्तारी

» दिल्ली ब्लास्ट से जुड़े हैं यूनिवर्सिटी के तार।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

नई दिल्ली। दिल्ली ब्लास्ट मामले से जुड़े आर्थिक अपराधों की जांच के बीच शनिवार देर रात एक अहम घटनाक्रम सामने आया। अल-फलाह ग्रुप के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी को दिल्ली की अदालत ने 13 दिनों के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया है। यह आदेश एडिशनल सेशंस जज शीतल चौधरी प्रधान ने अपने कैंप ऑफिस से रात करीब 12 बजे जारी किया। देर रात हुई इस कार्रवाई को ईडी की चल रही जांच के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ईडी ने अदालत को बताया कि सिद्दीकी को 18 नवंबर की रात धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया गया। एजेंसी ने दावा किया कि उनके पास ऐसे वित्तीय दस्तावेज और लेनदेन के रिकॉर्ड हैं, जो बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी, फर्जीवाड़े और मनी लॉन्ड्रिंग की ओर संकेत करते हैं। इसी आधार पर सिद्दीकी की हिरासत में पूछताछ की मांग की गई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया यह माना जा सकता है कि आरोपी ने अपराध से जुड़ी आय को छिपाने और उसे वैध दिखाने के लिए जटिल लेनदेन किए।

मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय हेराफेरी गंभीर मामला

अदालत ने आदेश में माना कि यह पूरा मामला अभी जांच के शुरुआती चरण में है और कई महत्वपूर्ण कड़ियां अभी सामने आनी बाकी हैं। कोर्ट ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय हेरफेर के आरोप गंभीर प्रकृति के हैं, जिनमें आरोपी से गहन पूछताछ जरूरी है। अदालत ने यह भी माना कि यदि इस समय आरोपी से पूछताछ न की गई तो गवाहों को प्रभावित करने, सबूत नष्ट करने या संदिग्ध संपत्तियों को हटाने की आशंका बनी रह सकती है। इसी कारण अदालत ने 13 दिनों की ईडी हिरासत को उचित माना।

यूनिवर्सिटी पर ईडी ने लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी ने जांच में यह भी आरोप है कि यूनिवर्सिटी ने फर्जी दस्तावेजों, जाली मान्यता प्रमाणपत्रों और गलत बयानों का इस्तेमाल करते हुए बड़ी संख्या में छात्रों का नामांकन किया। ईडी ने कहा कि फीस के रूप में मिली यह रकम सीधे तौर पर धोखाधड़ी से संबंधित है और इसे मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत अनुसूचित अपराध में शामिल किया जा सकता है। अदालत ने भी माना कि एजेंसी द्वारा पेश किए गए दस्तावेज और लेनदेन रिकॉर्ड आरोपों के समर्थन में पर्याप्त प्रतीत होते हैं।

सिद्दीकी से पूछताछ में जुटी ईडी

अदालत का यह आदेश ईडी को सिद्दीकी से विस्तृत पूछताछ का अवसर देगा। आने वाले दिनों में एजेंसी आरोपी से उन लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाने की कोशिश करेगी, जो इस कथित वित्तीय अनियमितता और ब्लास्ट मामले से संबंधित फंडिंग गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा ईडी उन संदिग्ध संपत्तियों और निवेशों का भी पता लगाएगी, जिनमें कथित तौर पर अपराध से अर्जित धन का उपयोग किया गया।

देर रात हुई इस न्यायिक कार्रवाई ने पूरे मामले पर नई रोशनी डाली है। यह अब साफ हो गया है कि जांच एजेंसियां उच्च स्तरीय वित्तीय लेनदेन और संदिग्ध गतिविधियों की तह तक जाने के लिए गंभीर प्रयास कर रही हैं। सिद्दीकी की ईडी हिरासत से इस मामले में कई नए खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

मान्यता के नाम पर किया छात्रों को गुमराह

ईडी ने अदालत में दावा किया कि अल-फलाह यूनिवर्सिटी और उससे जुड़े संस्थानों ने कई सालों तक मान्यता के नाम पर छात्रों को गुमराह किया। एजेंसी ने अपने वित्तीय विश्लेषण में बताया कि वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2024-25 के बीच संस्थानों ने लगभग 415.10 करोड़ रुपये 'शैक्षणिक प्राप्तियों' के रूप में हासिल किए। ईडी के अनुसार यह पूरा धन 'अपराध की आय' के तौर पर देखा जा सकता है, यूनिवर्सिटी ने अपनी मान्यता और कानूनी स्थिति को लेकर गलत जानकारी दी। इस आधार पर छात्रों से वसूली गई रकम को धोखाधड़ी और जालसाजी का परिणाम बताया गया है।

शाहीन ने तबाही मचाने को खरीदीं दो कार अब कंडम वाहनों के बाजार में मचा कोहराम

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

कानपुर। फरीदाबाद विस्फोटक बरामदगी और दिल्ली ब्लास्ट में गिरफ्तार डॉक्टर शाहीन के दस्ते ने कानपुर से भी दो कारें खरीदी थीं। कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज में धमाके की साजिश रची गई थी। कार का इस्तेमाल इन धमाकों में होना था या नहीं, अभी यह रहस्य नहीं खुला है। पुलिस और एजेंसियों को कानपुर से कारें खरीदने की भनक लग गई तो गाड़ियां गायब कर दी गईं। सुरक्षा एजेंसियों ने कानपुर के पुरानी कारों के बाजार से दो लोगों को उठाया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

खुफिया सूत्रों के मुताबिक डॉ. शाहीन और डॉ. आरिफ के साथ तीन अन्य डॉक्टर यूपी में बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच चुके थे। इसके लिए ही अलग-अलग शहरों से पुरानी कारें खरीदने की योजना बनी। सूत्रों का कहना है कि कानपुर से दो कारें खरीदी गईं। छानबीन के सिलसिले में पुरानी कारों के एक व्यापारी और एक ड्राइवर को हिरासत में लेने के बाद दिल्ली में ले जाकर पूछताछ की जा रही है। यह कारें प्रयागराज, लखनऊ नंबरों की हैं।

टेरर की लाइफलाइन को कंडम वाहनों से मिल रही ऑक्सीजन

दिल्ली बम धमाके में इस्तेमाल हुई कार ने खरीद-फरोख्त के इस कारोबार में टेरर की लाइफलाइन पनपने का खुलासा किया है। कंडम वाहनों को खरीदने वाले कबाड़ों से आतंकवाद और अपराध को ऑक्सीजन दी जा रही है। कबाड़ मालिकों और निजी बीमा कंपनियों की मजबूत सांठगांठ और परिवहन व पुलिस विभाग के कमजोर निगरानी तंत्र से यह धंधा फल फूल रहा है।

हाई-इम्पैक्ट लोकेशन की तलाश में था उमर लाल किला पार्किंग में असेंबल किया था बम

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

नई दिल्ली। दिल्ली के लालकिला मेट्रो स्टेशन (गेट नंबर-1) के पास हुए आतंकी धमाके में सुरक्षा एजेंसियों की जांच ने कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। मुख्य आरोपी उमर मोहम्मद ने लाल किला की कार पार्किंग में ही बम को असेंबल किया था और करीब 3 घंटे तक वहां रुका रहा। इस दौरान वह अपने हैंडलर से लगातार फोन पर संपर्क में था और ब्लास्ट की जगह को फाइनल कर रहा था। सूत्रों के मुताबिक, उमर किसी सिम्बॉलिक और हाई-इम्पैक्ट लोकेशन की तलाश में था, जहां धमाके का ज्यादा असर हो। पहले उसका प्लान लाल किला की पार्किंग में ही ब्लास्ट करने का था, लेकिन सोमवार होने की वजह से वहां भीड़ कम थी, इसलिए उसने पार्किंग से बाहर निकलकर मेट्रो स्टेशन गेट-1 के पास धमाका कर दिया। इस आतंकी हमले में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है।

बिजली बिल राहत योजना 2025-26 एक दिसंबर से होगी शुरू

बिजली बिल के बकाएदार उपभोक्ताओं को मिलेगी बिलों में भारी छूट एवं सरचार्ज माफी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने बताया है कि बिजली बिल राहत योजना 2025-26 की शुरुआत की जा रही है। यह योजना बिजली के बकाएदार उपभोक्ताओं को बिल जमा करने का आसान अवसर उपलब्ध कराएगी। योजना का मुख्य फोकस नेवर पेड (कभी भुगतान न करने वाले), लॉन्ग अनपेड (लंबे समय से बिल बकाया रखने वाले) एवं विद्युत चोरी प्रकरणों को नियमन में लाना है, ताकि उपभोक्ता आसानी से वैध बिजली कनेक्शन से जुड़ सकें और विद्युत निगमों की राजस्व वसूली भी मजबूत एवं पारदर्शी हो सके।

यह योजना पूरे प्रदेश में 1 दिसम्बर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक तीन चरणों में लागू की जाएगी। पात्रता अनुसार रुरूङ्क–1 घरेलू श्रेणी में 2 किलोवाट या उससे कम भार वाले तथा L.M.V–2 वाणिज्यिक श्रेणी में 1 किलोवाट या उससे कम भार वाले उपभोक्ता इस योजना में शामिल हो सकेंगे। प्रदेश के

सभी वितरण निगम पश्चिमांचल, दक्षिणांचल, मध्यांचल, पूर्वांचल और केस्को अपने क्षेत्रीय कार्यालयों, आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल एप तथा कॉमन सर्विस सेंटरों के माध्यम से उपभोक्ताओं के पंजीकरण व आवेदन स्वीकार करेंगे। पंजीकरण की समयावधि तीन चरणों में विभाजित की गई है- प्रथम चरण 01 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2025, द्वितीय 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तथा तृतीय चरण 01 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक संचालित होगा। उपभोक्ता इन तिथियों के भीतर न्यूनतम ?200 जमा कर योजना में पंजीकरण करा सकेंगे।

उपभोक्ताओं को बकाया बिल के भुगतान हेतु तीन विकल्प दिए गए हैं, जिनमें प्रथम विकल्प एकमुश्त भुगतान का है, जिसके अंतर्गत कुल बकाया पर अधिकतम 25 प्रतिशत तक की छूट और संपूर्ण सरचार्ज माफी दी जाएगी।

दूसरा विकल्प अधिकतम तीन किश्तों (प्रत्येक 750) में भुगतान का है, जिसमें अधिकतम 20 प्रतिशत तक की छूट एवं पूर्ण सरचार्ज माफी होगी। तीसरा विकल्प भी अधिकतम तीन किश्तों (प्रत्येक ?500) का है, जिसमें 15 प्रतिशत तक की राहत के साथ 100 प्रतिशत सरचार्ज माफी दी गई है। इस योजना की एक विशेष खासियत यह है कि बिजली बिल आउटलाइनर श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए भी बिलिंग विसंगतियां दूर करने हेतु विशेष राहत और समाधान का प्रावधान रखा गया है, ताकि उन्हें पुन- नियमित विद्युत सेवा से जोड़ा जा सके।

इसके अतिरिक्त विद्युत चोरी प्रकरणों में 40 से 50 प्रतिशत तक की महत्वपूर्ण छूट का प्रावधान किया गया ह। इन प्रकरणों के त्वरित निस्तारण तथा नए कनेक्शन की सरल प्रक्रिया भी सुनिश्चित की गई है। योजना के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, समाचार पत्र, सोशल मीडिया, वितरण निगमों के प्रचार वाहनों और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए कॉल सेंटर, हेल्पलाइन, पोर्टल और मोबाइल एप उपलब्ध कराए गए हैं,

जहां पंजीकरण, शिकायत निवारण, दस्तावेज़ सत्यापन और पात्रता जांच से संबंधित सभी सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

माती महायोजना का सपना चकनाचूर, धडल्ले से अवैध प्लाटिंग!

» **कानपुर देहात जिले का सुनियोजित विकास अधर में, अकबरपुर, माती और आसपास गांवों में कृषि जमीनों का बंटाधार**

» **केडीए सहित देहात जिले के अफसरों की अनदेखी से योजनाएं नहीं हुई लांच**

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। कानपुर विकास प्राधिकरण केडीए के अधीन कानपुर देहात जनपद का मुख्यालय माती, अकबरपुर में सुनियोजित विकास का सपना चकनाचूर होता जा रहा है। अब तक माती महायोजना की परिकल्पना अधूरी है। जिला मुख्यालय के आसपास धडल्ले से कृषि एवं अन्य सुरक्षित जमीनों पर प्लाटिंग का अवैध कारोबार दनादन किया जा रहा है। इससे शहरी नगरीय सुविधाओं की बजाय बस्तियां बसती जा रही हैं जो कि शहरी संरचना पर चोट पहुंचा रही है।

करीब 37 साल पहले 25 अप्रैल 1981 को कानपुर महानगर से अलग करके कानपुर देहात जिले का सृजन किया गया।

अप्रैल 1994 में माती गांव के पास

जिला मुख्यालय बनाने का काम शुरू किया गया। वर्ष जुलाई 2001 में कलेक्ट्रेट सहित अन्य प्रशासनिक भवन बनकर कार्य शुरू किया गया। इसके बाद धीरे धीरे अन्य प्रशासनिक भवन और सिस्टम तैयार गया है लेकिन अबतक शहरी अवस्थपना और विकास के लिए कोई कार्य नहीं किया गया।

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

वर्ष 2013 में जनप्रतिनिधियों की मांग पर तत्कालीन कमिश्नर के निर्देश पर केडीए बोर्ड बैठक में माती के विकास के लिए महायोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

इसके बाद आवास विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने संयुक्त बैठक करके अकबरपुर नगर पंचायत सहित अकबरपुर तहसील के करीब 156 गांवों को शामिल करते हुए 27 जनवरी 2015 को माती विकास प्राधिकरण गठन का प्रस्ताव शासन भेजा गया था तब से वो प्रस्ताव शासन में ही पडा रह गया। यूपी में 2017 से अबबतक भाजपा पूरी ताकत के साथ सत्ता में हैं लेकिन विधायक, सांसद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की खींचतान के चलते माती के विकास को लेकर कोई पहल नहीं हो पा रही है। इसके चलते माती, अकबरपुर, बारा जोड, रनियां, जैनपुर, नवीपुर सहित अन्य आसपास के हिस्सों में बिना किसी प्लानिंग के खेतों में प्लाटिंग करके बेढंगी बस्तियां बसाई जा रही हैं। इनमें जलनिकासी, पेयजल, पार्क, मार्ग प्रकाश सहित अन्य सुविधाओं का कोई प्रबंधन नहीं है।

इससे अकबरपुर और माती का बेढंगा विकास चल रहा है। जिले के अफसर भी ध्यान नहीं दे रहे हैं, इसका अंजाम जिला भुगत रहा है।

सरकारी और सुरक्षित जमीनें लुट गई, सोते रहे जिम्मेदार

जिला मुख्यालय गठन के बाद अकबरपुर और माती के आसपास जमीनों के रेट आसमान छुए तो भूमाफिया सक्रिय हो गए। हालात यह हैं कि पिछले 10 सालों में बंजर, तालाब, चकरोड, खलिहान, कब्रिस्तान, चारागाह सहित अन्य सुरक्षित जमीनों के अभिलेखों में राजस्व कर्मियों की मिलीभगत से हेरफेर करके कब्जा करके बेंच दिया गया।

तत्कालीन एसडीएम अकबरपुर समीर वर्मा के कार्यकाल में माती रोड, अकबरपुर कस्बे सहित कई जगहों पर सरकारी जमीन चिन्हीकरण करके बोर्ड लगवाए गए थे,

कुछ साल बाद यह बोर्ड माफियाओं ने हटाकर जमीनें हथिया ली। इसमें स्थानीय कई जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी संदिग्ध है। एक आरटीआई कार्यकर्ता ने बताया कि अकबरपुर कस्बे ओर माती मुख्यालय के गांवों की जमीनों का आडिट किया जाए तो सारा खेल खुल जाएगा।

शहजादपुर गांव की सेफान सिटी में जमीन धांधली की आशंका

अकबरपुर तहसील के अंतर्गत शहजादपुर गांव के पास हाइवे के किनारे कई बीघा जमीन घेर कर प्लाटिंग की गई है।

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि कुछ साल पहले हाइवे सिटी के नाम पर बोर्ड लगाया गया था लेकिन कुछ विवाद होने पर अब सेफान सिटी का बोर्ड लगाकर प्लाट बेंचने का कार्य शुरू किया गया है।

इसमें केडीए य अन्य संस्था से कोई ले आउट भी स्वीकृत नहीं किया गया है। इसके अलावा इस प्लाटिंग में जमीन की बडी धांधली छिपी है।

इसी लिए भूमाफिया जल्द ही प्लाट बेंचकर भागना चाहते हैं, जिससे जनता की गाढी कमाई हजम कर सकें।

अब इसकी जांच की मांग की जा रही है। वहीं, बताया गया है कि इसके आसपास अन्य जगहों पर भी अवैध प्लाटिंग की जा रही है।

दिल्ली ब्लास्ट: कानपुर में लगातार एटीएस-एनआईए की छापेमारी

एक दर्जन ठिकानों पर मारा छा, मेडिकल कॉलेज व कार्डियोलॉजी से चार समेत नौ से पूछताछ

» प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। दिल्ली बम धमाके की आरोपित आतंकी डॉ. शाहीन और उसके सहयोगी कार्डियोलॉजी विभाग के डॉक्टर आरिफ मीर के मददगारों की तलाश में एटीएस और एनआईए की संयुक्त टीम कानपुर पहुंची। दोनों एजेंसियों ने शहर में लगभग एक दर्जन ठिकानों पर छापेमारी करते हुए नौ लोगों से पूछताछ की। इनमें से चार लोग मेडिकल कॉलेज और कार्डियोलॉजी से जुड़े हुए हैं। पूछताछ के बाद छह लोगों को छोड़ दिया गया, जबकि तीन अब भी एजेंसियों की हिरासत में हैं।

एटीएस व एनआईए टीमें शहर में लगातार डेरा डाले हुए हैं। जांच में सामने आया है कि डॉ. शाहीन और डॉ. आरिफ एक-दूसरे के संपर्क में थे और दिल्ली बम धमाके की साजिश में आरिफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एजेंसियों को दोनों के बीच होने वाली चैटिंग के साक्ष्य मिले हैं।

इससे संकेत मिलता है कि शाहीन के कानपुर में कई संपर्क सूत्र सक्रिय थे। हालांकि अभी तक किसी अन्य स्थानीय व्यक्ति की धमाके में सीधी भूमिका साबित नहीं हुई है, लेकिन एजेंसियां इस एंगल पर लगातार इनपुट इकट्ठा कर रही हैं। एटीएस और एनआईए ने बेकनगंज, चमनगंज, रावतपुर, काकादेव और जाजमऊ समेत कई क्षेत्रों में छापेमारी की। हितकारी नगर में एक डॉक्टर के आवास पर विशेष जांच हुई, जिसके पास मौजूद हरियाणा नंबर की कार ने एजेंसी का संदेह बढ़ाया है। कार और उसके मूवमेंट की जांच जारी है।पूछताछ में सबसे अधिक फोकस शाहीन के करीबी रहे एक डॉक्टर पर है, जो अब जांच के दायरे में है। इसके अलावा शहर के पांच अन्य लोगों से भी पूछताछ की गई है।

उधर, सोशल मीडिया पर एक कथित गोपनीय पत्र वायरल हो रहा है, जिसमें जांच से जुड़े कई तथ्यों का जिक्र है। लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि यह पत्र किस एजेंसी का असली दस्तावेज है अथवा फर्जी। एजेंसियां इसकी भी जांच कर रही हैं।कानपुर में मिली इनपुट्स के आधार पर दिल्ली धमाके की जांच को और व्यापक दायरे में बढ़ाया जा रहा है।

वारंट लेकर पहुंची दुष्कर्म पीड़िता, दूल्हा सिपाही दुल्हन संग गेस्ट हाउस से भागा

» एलएलबी छात्रा से शादी का झांसा देकर महीनों तक किया था शोषण

आरोपी सिपाही

पीड़िता

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहाँ एक पुलिसकर्मी ने शादी का झांसा देकर एलएलबी छात्रा से शारीरिक शोषण करने के बाद दूसरी युवती से शादी रचाने की कोशिश की। जैसे ही पीड़िता को शादी की भनक लगी, वह कोर्ट का गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) लेकर पुलिस टीम के साथ गेस्ट हाउस पहुंची लेकिन इससे पहले ही सिपाही दुल्हन व रिश्तेदारों के साथ भाग चुका था।चकेरी थाना क्षेत्र के कोयला नगर स्थित एक गेस्ट हाउस में मंगलवार को आरोपी सिपाही सचिन यादव की शादी की तैयारियां चरम पर थीं। रिश्तेदार जुट चुके थे, मंडप सज चुका था। इसी बीच पीड़िता, जो कानपुर देहात निवासी एलएलबी छात्रा है, को जानकारी मिली कि जिस सिपाही ने उसे शादी का झांसा देकर छह महीने तक शोषित किया, वही आज किसी और से शादी करने जा रहा है।छात्रा बिना देर किए कोर्ट से जारी एनबीडब्ल्यू वारंट लेकर अकबरपुर और चकेरी पुलिस के साथ गेस्ट हाउस पर पहुंची, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी आरोपित सचिन यादव पहले ही परिवार और दुल्हन समेत वहां से फरार हो चुका था।गेस्ट हाउस में सिर्फ शादी की अधूरी तैयारियां और हैरान कर्मचारी मिले। पीड़िता ने बताया कि करीब आठ महीने पहले उसकी फेसबुक पर सचिन यादव से दोस्ती हुई थी। दोस्ती जल्द ही प्रेम संबंध में बदल गई।सिपाही ने शादी का झांसा देकर छात्रा का लगातार शारीरिक शोषण किया। जब छात्रा ने शादी का दबाव बनाया तो सिपाही मुकर गया।इस पर पीड़िता ने मई 2025 में थाना अकबरपुर में उसके खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया। इसके बाद आरोपी ने उसे मुकदमा वापस लेने के लिए धमकाया। फिर समझौता करने का नाटक कर चार दिन में शादी करने का वादा किया लेकिन दो दिन बाद ही फरार हो गया।

मामले में आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर कोर्ट ने गैर-जमानती वारंट जारी किया।छात्रा इसी वारंट के साथ उस गेस्ट हाउस पहुंची थी जहाँ उसकी दूसरी शादी हो रही थी। चौकी प्रभारी राष्ट्रदीप सिंह ने बताया कि गेस्ट हाउस पहुंचने पर वहां कोई मौजूद नहीं मिला।शादी की तैयारियां जरूर मिलीं, पर दूल्हा-दुल्हन और परिजन गायब थे।पीड़िता ने दावा किया कि आरोपी शादी के नाम पर लगातार उससे धोखा करता रहा, लेकिन अब वह हर कीमत पर न्याय की लड़ाई लड़ेगी। पुलिस का कहना है कि आरोपी सिपाही की तलाश की जा रही है और जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

कानपुर के पंडित सत्यम विष्णु अवस्थी को मिला राष्ट्रीय अवध गौरव ज्योतिष सम्मान

» 2025 के अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन में भारत सहित कई देशों के विद्वानों की रही उपस्थिति

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ/कानपुर। राजधानी में आयोजित सनातन धर्म एवं एस्ट्रोलॉजी कन्वेंशन 2025 में कानपुर के प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पंडित सत्यम विष्णु अवस्थी को राष्ट्रीय अवध गौरव ज्योतिष सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। यह समारोह भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के राय उमानाथ ऑडिटोरियम में बड़े ही भव्य रूप से संपन्न हुआ, जिसमें भारत सहित कई देशों के विद्वान ज्योतिषाचार्य उपस्थित रहे।सम्मेलन में पंडित सत्यम विष्णु अवस्थी को यह प्रतिष्ठित सम्मान ज्योतिष विज्ञान में उनके विशिष्ट योगदान, सनातन संस्कृति की निरंतर सेवा और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं के प्रचार-प्रसार के लिए प्रदान किया गया। समारोह के दौरान उपस्थित विद्वानों ने उनके गहन अध्ययन, शोध और समाजोन्मुखी कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में के0 ए0 दुबे पद्मेश और आचार्य इंदु प्रकाश मौजूद रहे, वहीं राष्ट्रीय ज्योतिष एवं रुद्राक्ष अनुसंधान संस्थान के चेयरपर्सन आचार्य पंकज त्रिवेदी, नीदरलैंड से आए आचार्य बी. रघुनाथ सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय स्तर के विद्वानों ने समारोह की गरिमा बढ़ाई।

गौरतलब है कि पंडित सत्यम विष्णु अवस्थी को पिछले वर्ष नेपाल के प्रथम उपराष्ट्रपति परमानंद झा द्वारा भी अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मान से नवाजा गया था। लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हो रही यह उपलब्धियां उनके कार्यों की व्यापक स्वीकार्यता और प्रतिष्ठा को दर्शाती हैं।

युवती से जबरदस्ती करना पड़ा भारी, सिखाया सबक

बिल्हौर: चुम्बन की चाह में चली गई शोहदे की जीभ

युवती के पलटवार से मचा हड़कंप, लोग कर रहे तारीफ

» शादी तय होते ही दूरी बनाने लगी थी युवती-सूत्र।

» पीड़िता ने पुलिस के सामने रो-रोकर बताई आपबीती।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर क्षेत्र के एक गांव में सोमवार दोपहर छेड़छाड़ की चौंकाने वाली वारदात सामने आई। जिसमें जबरन चुम्बन करने की कोशिश कर रहे एक युवक की युवती ने मौका देख दांतों से जीभ ही काट डाली। जिससे युवक की हालत बिगड़ गई। गंभीर हालत में तड़प रहे आरोपी युवक को पहले हैलट अस्पताल फिर पीजीआई लखनऊ रेफर कर दिया गया। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मंगलवार को मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सूत्रों के अनुसार युवक और युवती के बीच कभी आंखें चार हुई थीं। कुछ महीनों तक बातचीत और मुलाकातें भी होती रहीं, लेकिन हाल ही में युवती की शादी पक्की होने के बाद उसने खुद युवक से दूरी बना ली थी। और बातचीत बंद कर दी। युवती ने मिलने-जुलने पर भी रोक लगा दी। युवती की यह दूरी युवक को नागवार गुजर रही थी। वह रोज मौके की तलाश में भटकता रहता था। जैसे ही उसे मौका मिला वह यह गलती कर बैठा। उसे ऐसी घटना का कतई अंदाजा नहीं रहा होगा।

सुनसान जगह पाकर दिमाग पर सवार हुई हैवानियत

बताया जाता है कि युवती दोपहर में घर से लगभग आधा किलोमीटर दूर तालाब के पास चूल्हा बनाने के लिए मिट्टी लेने गई थी। तभी रेकी कर रहा राज उर्फ चंपी मौके पर पहुंच गया। आरोप है कि उसने युवती को दबोच लिया और छेड़छाड़ की हदें पार करते हुए जबरन चुम्बन करने की कोशिश की। इसी दौरान सहमी युवती ने हिम्मत दिखाते हुए जोरदार पलटवार किया और दांतों से उसकी जीभ काट ली। झटके से युवक की जीभ का अगला हिस्सा कटकर अलग हो गया। दर्द से छटपटाता आरोपी वहां से भागकर डॉक्टर के पास पहुंचा, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे रेफर कर दिया गया।

पहले भी कर चुका था हरकत

इंस्पेक्टर बिल्हौर अशोक कुमार सरोज ने बताया कि पूछताछ में युवती ने खुलासा किया है कि आरोपी पहले भी ऐसी हरकतें कर चुका था। बताया कि जीभ कटने की शर्मिंदगी छिपाने के लिए आरोपी ने नई कहानी गढ़ते हुए युवती के भाइयों पर झूठे आरोप लगाकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। उधर पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। पुलिस ने बताया की युवक शादीशुदा है।

सपा ने शुरू किया बूथ सत्यापन महाअभियान

चौबेपुर, शिवराजपुर, ककवन और बिल्हौर ब्लॉक में कमान संभालने को प्रभारियों की हुई तैनाती

» सपा नेतृत्व ने कहा कि बूथ सत्यापन चुनाव रणनीति का अहम चरण है और इससे संगठन मजबूत होगा।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने के लिए समाजवादी पार्टी ने बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र में बूथ सत्यापन महाअभियान की शुरुआत की। सपा कार्यालय में प्रदेश मुख्यालय से आए प्रभारियों ने बूथ अध्यक्षों व बीएलए के साथ बैठक कर अभियान की रूपरेखा समझाई। प्रभारियों ने सत्यापन फॉर्म भरने, मतदाता सूची के पुनरीक्षण और बूथ संगठन को सक्रिय करने पर विशेष जोर दिया।

अभियान को प्रभावी बनाने के लिए चारों ब्लॉकों में प्रभारी नियुक्त किए गए हैं ककवन से आशीष चौबे, बिल्हौर से जयराम सिंह यादव, शिवराजपुर से नसीर उद्दीन, चौबेपुर से जावेद इकबाल खान को जिम्मेदारी मिली है। ये सभी अपने-अपने ब्लॉक में सत्यापन कार्य की निगरानी करेंगे। बैठक में स्थानीय नेतृत्व भी मौजूद रहा। सपा विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव, पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह, ककवन ब्लॉक अध्यक्ष भरत सिंह यादव, बिल्हौर ब्लॉक अध्यक्ष आशीष कटियार सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से जितेंद्र कटियार, आर.पी. पाठक, अंशुमान सिंह, लोकेश अवस्थी, रमेश गौतम, राजन पाल, ज्ञानचंद्र कोरी, विमल कोरी, संतोष कश्यप, पवन कटियार, हरेंद्र गौतम, महेंद्र सिंह समेत कई सपाई मौजूद रहे।

विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव ने बताया कि बूथ सत्यापन महाअभियान आगामी चुनाव की रणनीति का अहम चरण है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमारी कोशिश है कि बिल्हौर विधानसभा का हर बूथ सशक्त और सक्रिय रहे। प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे गांव-गांव जाकर बूथ अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं से संवाद बनाएं और सत्यापन फॉर्म पूरी तरह से भरवाएं। उन्होंने कहा कि इस अभियान से बूथ स्तर पर संगठन और मजबूत होगा तथा चुनावी तैयारियों में नई ऊर्जा का संचार होगा।

नदीहा बुजुर्ग में नवनिर्मित चौकी भवन का उद्घाटन

डीसीपी बोले क्षेत्र में और बेहतर होगी पुलिसिंग, चौकीदार सम्मानित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। थाना ककवन क्षेत्रान्तर्गत नदीहा बुजुर्ग स्थित पुलिस चौकी के नवनिर्मित भवन का मंगलवार को पुलिस उपायुक्त पश्चिम दिनेश त्रिपाठी ने विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर एसीपी बिल्हौर मंजय सिंह ने डीसीपी का बुके देकर स्वागत किया। आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह नया भवन क्षेत्र में पुलिसिंग को और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

उद्घाटन कार्यक्रम में डीसीपी ने क्षेत्र में निरंतर सेवा दे रहे चौकीदारों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि चौकीदार पुलिस जन सहयोग की रीढ़ हैं और इनके मनोबल से कानून व्यवस्था और सुदृढ़ होती है। इसके बाद चौकी परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। डीसीपी ने स्वच्छ और सुव्यवस्थित कार्य और वातावरण बनाए रखने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम में बिल्हौर कोतवाल अशोक कुमार सरोज, ककवन इंस्पेक्टर, नदीहा चौकी इंचार्ज अन्य पुलिस अधिकारी व क्षेत्र के सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।

थाने में बिगड़ी बुजुर्ग की तबीयत अस्पताल ले जाने पर हुई मौत

बेटे-बहू के विवाद में बुलाया गया था थाने

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बेटे-बहू के विवाद में पुलिस द्वारा बुलाए गए 65 वर्षीय बुजुर्ग की मंगलवार को थाने में ही तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना से परिवार में शोक व्याप्त है। आंकिन के मजरा हरीगंज निवासी शिवरतन लाल (65), जो जल निगम से सेवानिवृत्त थे, अपने बेटे राहुल के साथ अरौल थाने पहुंचे थे। राहुल और उसकी पत्नी मोनी के बीच पिछले चार महीनों से घरेलू विवाद चल रहा है। पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया था।

राहुल के साथ उनके पिता भी थाने में मौजूद थे। पूछताछ के दौरान अचानक शिवरतन लाल की तबीयत बुरी तरह बिगड़ गई। पुलिस और परिजन उन्हें तुरंत बाहर लाए और निजी वाहन से बिल्हौर सीएचसी ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजन बिना कोई आरोप लगाए शव लेकर घर लौट गए। वहीं डॉक्टर ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, मौत हृदय गति रुकने से होने की आशंका है। इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव ने बताया कि महिला की शिकायत पर दोनों पक्षों को बुलाया गया था। थाने में ही बुजुर्ग की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें इलाज के लिए ले गए, जहां उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा कि तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

स्पष्ट कानून व सज़ा में बदलाव से समाधान

हाल ही में, दिल्ली के विजय विहार इलाके में लूट का विरोध करने वाले एक ऑटो चालक की निर्मम हत्या में पांच नाबालिगों की गिरफ्तारी गंभीर चिंता बढ़ाने वाली है। देश में नाबालिगों के बालिगों की तर्ज पर गंभीर अपराधों को अंजाम देने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं दिल्ली की घटना में गिरफ्तार किशोरों की स्वीकारोक्ति डराने वाली है कि वे नशे के आदी हैं और पैसे जुटाने के लिये लूटपाट जैसे अपराधों में लिप्त रहते हैं। यह घटना हमारे समाज में पनप रही विकृतियों की ओर इशारा कर रही है। साथ ही यह भी संकेत कि अब वक्त आ गया है कि किशोर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कानूनों के प्रावधान हों। इसकी वजह यह है कि किशोरों को अपराध करने के बाद सामान्य जेलों में रखने के बजाय बाल सुधार गृहों में भेज दिया जाता है। लेकिन बाल सुधार गृहों में रहने के दौरान भी ऐसे अपराधी किशोरों में बड़ा बदलाव नजर नहीं आता। अक्सर देखा जाता है कि बाल सुधार गृहों में रहने की सीमित अवधि के बाद कई किशोर फिर अपराधों की दुनिया में उतर जाते हैं। समाज विज्ञानियों का मानना है कि किशोर अपराधों को लेकर कानून के अस्पष्ट और लचर होने की वजह से भी दोषियों को दंडित नहीं किया जा सकता। अक्सर कहा जाता है कि नाबालिगों की सजा के मामले में अभियुक्त की उम्र को घटा दिया जाए। दरअसल, बदलते परिवेश में समय से पहले किशोरों में वयस्कों की नकारात्मक प्रवृत्तियां पनपने लगी हैं। जिसके चलते वे बड़ों के जैसे अपराध तो करते हैं। लेकिन उन्हें उस अनुपात में सजा नहीं दी जा सकती। वैसे यह भी हकीकत है कि किशोरों के सामने लंबा भविष्य होता है। यदि परिस्थितिवश या मजबूरी में वे कोई अपराध करते हैं तो उन्हें सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए। वैसे भी दंड का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति में सुधार ही होता है।

दरअसल, इस तथ्य पर भी विचार करने की जरूरत है कि यदि किशोर सजा काटने के बाद भी लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय रहते हैं तो उसके लिये दंड के सख्त प्रावधान होने चाहिए।ˮ, जिसके चलते वे पढ़-लिख नहीं पाते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में तमाम सामाजिक विद्रूपताएं भी किशोर मन में नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। जैसेकि दिल्ली की घटना में लिप्त किशोरों ने स्वीकारा कि वे नशे के आदी हैं, यह घटना हमारे समाज में नशे के नासूर से उपजे संकट की ओर इशारा करती है। ऐसे में नशे पर अंकुश के साथ ही उन सामाजिक विसंगतियों पर नजर रखने की जरूरत है जो किशोर मन के भटकाव को जन्म देती हैं। दूसरा संकट भारतीय समाज में जीवन मूल्यों का तेजी से होता पराभव भी है।

किशोरों को नैतिक शिक्षा का पाठ सही ढंग से न स्कूलों में मिल पा रहा है और न ही घरों में। इस संकट का एक बड़ा पहलू इंटरनेट पर जहरीली व अश्लील सामग्री की प्रचुरता भी है। अक्सर किशोर व वयस्कों के अपराधों के कारण जानने पर पता चला कि उन्होंने इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखने के बाद यौन हिंसा को अंजाम दिया। ऐसे में बच्चों को संस्कार स्कूल और घर के बजाय मोबाइल से मिल रहे हैं। इंटरनेट पर प्रसारित आपत्तिजनक सामग्री को कौन और किस उद्देश्य से डाल रहा है, कहना कठिन है।

अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को ट्रंप ने दिखाया ठेंगा

ज्योति मल्होत्रा

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट को दरकिनार करते हुए सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का बचाव किया और उन्हें जमाल खशोगी की हत्या से अनजान बताया। यह कदम अमेरिका-सऊदी संबंधों में तनाव को खत्म कर रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने का संकेत है, जहाँ ट्रंप क्राउन प्रिंस को पश्चिम एशिया का एक अहम नेता मान रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की अपनी ही खुफिया जानकारी को दरकिनार करते हुए ओवल ऑफिस में एक बैठक के दौरान सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का बचाव किया और ज़ोर देकर कहा कि शक्तिशाली राजकुमार को वाशिंगटन पोस्ट के पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के बारे में कुछ भी नहीं पता था। उनकी यह टिप्पणी एबीसी न्यूज़ के एक रिपोर्टर द्वारा पूछे गए सवाल के बाद आई है कि अमेरिकियों को क्राउन प्रिंस पर भरोसा क्यों करना चाहिए, जबकि अमेरिकी एजेंसियों ने निष्कर्ष निकाला है कि उन्होंने 2018 की हत्या को मंज़ूरी दी थी।

अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के दावों को ट्रंप ने किया खारिज अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने दावा किया था कि 2018 में 'वाशिंगटन पोस्ट' के पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की कुछ हद तक संलिप्तता हो सकती है। ट्रंप ने सात साल में पहली बार अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस आए सऊदी अरब के शासक का गर्मजोशी से स्वागत किया।

सऊदी अरब की नीतियों के कटु आलोचक रहे खशोगी की हत्या से एक समय के लिए अमेरिका-सऊदी अरब के रिश्तों में भारी तनाव आ गया था, लेकिन सात साल बाद यह तनाव पूरी तरह दूर होता दिख रहा है और ट्रंप क्राउन प्रिंस को पश्चिम एशिया के भविष्य को आकार देने वाला अहम नेता बता रहे हैं। ट्रंप ने खशोगी को ''बेहद विवादित व्यक्ति'' बताया और दावा किया कि ''बहुत से लोग उन्हें पसंद नहीं करते थे।''प्रिंस मोहम्मद ने खशोगी की

हत्या में संलिप्तता से इनकार किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रिंस मोहम्मद की उपस्थिति में ओवल ऑफिस में एक पत्रकार के सवाल पर कहा, पसंद करें या न करें, ऐसी बातें हो जाती हैंˮ लेकिन क्राउन प्रिंस को इसके बारे में कुछ पता नहीं था। आप इस तरह का सवाल पूछकर हमारे मेहमान को शर्मिंदा न करें।'

' अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने यह निष्कर्ष निकाला था कि इस्तांबुल स्थित सऊदी वाणिज्य दूतावास में खशोगी की हत्या के लिए क्राउन प्रिंस ने ही स्वीकृति दी थी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने 2021 में यह रिपोर्ट सार्वजनिक की थी, जिसे ट्रंप अपने पहले कार्यकाल के दौरान जारी करने से बचते रहे थे। प्रिंस मोहम्मद ने कहा कि खशोगी की हत्या की जांच के लिए सऊदी अरब ने ''सभी सही कदम'' उठाए। वहीं, सऊदी अरब ने अमेरिका में निवेश बढ़ाकर एक ट्रिलियन डॉलर करने की घोषणा की, जो पहले घोषित 600 अरब डॉलर से अधिक है। प्रिंस ने अमेरिका को विदेशी निवेश के लिए ''दुनिया का सबसे आकर्षक देश'' बताया। ट्रंप ने क्राउन प्रिंस का सैन्य सम्मान के साथ स्वागत किया और व्हाइट हाउस में उनके साथ रात्रि भोज किया, जिसमें कई वैश्विक उद्योगपतियों ने हिस्सा लिया। । इस दौरान दोनों देशों ने एफ-35 लड़ाकू विमानों और लगभग 300 अमेरिकी टैंकों की खरीद सहित कई व्यापारिक और रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए। अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने क्या पाया अमेरिकी खुफिया एजेंसी द्वारा 2021 में जारी एक गोपनीय रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया कि मोहम्मद बिन सलमान ने खशोगी की गिरफ्तारी या हत्या को मंज़ूरी दी थी।

पारंपरिक नौकरियों पर आंच के बावजूद नये अवसर

रोजगार मंत्रालय

ज्वाला सिंह दास

नीति आयोग की रिपोर्ट रोडमैप फॉर जॉब क्रिएशन इन द एआई इकोनॉमी 2025 के मुताबिक एआई के बढ़ते प्रभाव से जहां 2031 तक बड़ी संख्या में पारंपरिक नौकरियां खत्म हो सकती हैं, वहीं एआई से जुड़ी करीब 40 लाख नई नौकरियां निर्मित होते हुए दिखाई देंगी। हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने नई पीढ़ी को प्रारंभिक स्तर से ही भविष्य की तकनीक कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ने की सार्थक पहल की है। इसके मद्देनजर आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से देशभर के सभी स्कूलों में तीसरी कक्षा से ही एआई पढ़ाने का फैसला किया है। इन दिनों भारत में श्रमशक्ति और रोजगार बाजार, पर आई रिपोर्टों में दो बातें रेखांकित हो रही हैं। एक भारत की नई पीढ़ी के लिए उद्योग-कारोबार की नई जरूरतों और नई डिजिटल अर्थव्यवस्था के तहत एआई की नौकरियों में तेजी से वृद्धि हो रही है। दो, विदेशों में भी भारत की एआई स्किल्स से सुसज्जित प्रतिभाओं के लिए मौके बढ़ रहे हैं।

हाल ही में वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर, 2025 में एआई और मशीन लर्निंग दक्षता की नौकरियों में 61 फीसदी की वृद्धि हुई है। इनकी मांग आईटी व गैर आईटी क्षेत्र में भी बढ़ रही है। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने राष्ट्रीय, श्रम शक्ति नीति 2025 के मसौदे के तहत स्वीकार किया है कि भारत का श्रम बाजार ढांचागत बदलाव से गुजर रहा है। अब एआई और नए कौशल विकास पर जोर देना जरूरी है। नीति

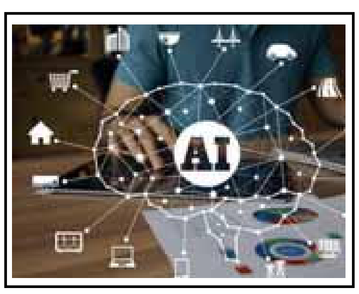

आयोग की रिपोर्ट रोडमैप फॉर जॉब क्रिएशन इन द एआई इकोनॉमी 2025 के मुताबिक एआई के बढ़ते प्रभाव से जहां 2031

तक बड़ी संख्या में पारंपरिक नौकरियां खत्म हो सकती हैं, वहीं एआई से जुड़ी करीब 40 लाख नई नौकरियां निर्मित होते हुए दिखाई देंगी।

निस्संदेह इस समय एआई फोकस की वजह से कई कंपनियों में पारंपरिक नौकरियां खत्म होते हुए दिखाई दे रही हैं, लेकिन इतिहास गवाह है कि प्रौद्योगिकी के कारण नौकरियां खत्म नहीं होती, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां सृजित होती हैं। वस्तुतः एआई के आगमन ने नौकरी बाजार में क्रांति ला दी है, नए अवसर और भूमिकाएं पैदा की हैं। एआई का प्रभाव कुछ क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कई उद्योगों और भूमिकाओं को बदल रहा है। भारत की नई पीढ़ी एआई कामों में लगातार अपना योगदान बढ़ा रही है। ओपन एआई के सीईओ सैम आल्ट मैन के मुताबिक एआई के लिए दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। गुगल के सीईओ सुंदर पिचाई के मुताबिक भारत एआई के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। माइक्रोसाफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के मुताबिक भारत की गणित में दक्ष नई पीढ़ी के लिए एआई में अपार संभावनाएं हैं। इस समय भारत में एआई पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से विस्तार कर रहा है।ˮ। 13.05 अरब डॉलर मूल्य की ऊंचाई पर है, वहीं यह बाजार आकार 2032 में 130.63 अरब डॉलर मूल्य का अनुमानित है।

भारत में प्रौद्योगिकी और एआई पारिस्थितिकी तंत्र में 60 लाख से अधिक लोग कार्यरत हैं। देश में 1,800 से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्र हैं, जिनमें 500 से अधिक एआई पर केंद्रित हैं। भारत में लगभग 1.8 लाख स्टार्टअप हैं, और पिछले वर्ष शुरू किए गए नए स्टार्टअप में से लगभग 89 फीसदी ने अपने उत्पादों या सेवाओं में एआई का उपयोग किया है। एआई अपनाने वाले अग्रणी क्षेत्रों में औद्योगिक और ऑटोमोटिव, उपभोक्ता वस्तुएं और खुदरा क्षेत्र, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं तथा बीमा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र शामिल हैं। ये एआई के कुल मूल्य में लगभग 60 प्रतिशत का योगदान करते हैं। आज एआई को लेकर निवेश की वैश्विक होड़ लगी हुई है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कथा में व्यास पंकज जी महाराज ने सुनाया दिव्य प्रसंग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वृंदावन/मथुरा। परम श्रद्धेय व्यास पंकज जी महाराज के मुखारविंद से प्रवाहित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की कथा में भक्तिभाव और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। महाराज जी ने कंस अत्याचार से लेकर भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण तक की दिव्य लीलाओं का वर्णन कर उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

कथा के अनुसार, जब कंस को आकाशवाणी के माध्यम से यह ज्ञात हुआ कि उसकी बहन देवकी की आठवीं संतान उसके अंत का कारण बनेगी, तो उसने देवकी और वसुदेव को कारागार में बंद कर दिया। अपने भय के कारण कंस ने देवकी से जन्मे छह पुत्रों की जन्म लेते ही हत्या कर दी।

महाराज जी ने बताया कि भाद्रपद माह की अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र और आधी रात के शुभ संयोग में भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य हुआ। उसी समय योगमाया के प्रभाव से कारागार के बंधन खुल गए और पहरेदार गहरी नींद में सो गए। वसुदेवजी नवजात कृष्ण को टोकरी में रखकर गोकुल के लिए निकल पड़े।घनघोर वर्षा और यमुना की उफनती धारा के बीच शेषनाग ने भगवान पर अपना फन फैलाकर उनकी रक्षा की। वासुदेवजी ने गोकुल पहुंचकर कृष्ण को नंद बाबा और यशोदा माता के सुपुर्द किया तथा वहां की नवजात कन्या—योगमाया रूपी बालिका—को लेकर वापस मथुरा लौट आए।

महाराज जी ने आगे बताया कि समय के साथ श्रीकृष्ण बड़े हुए और अंततः अत्याचारी कंस का वध कर धरती को उसके अत्याचारों से मुक्त करायाकथा का श्रवण करते हुए भक्तों ने नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयकारों से वातावरण को श्रीकृष्णमय कर दिया।

बदायूं में पक्षियों का शिकार करने वाले तीन शिकारी गिरफ्तार, थैले में मिले 16 मृत पक्षी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बदायूं । बदायूं में पक्षियों का शिकार करने के आरोप में तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 16 मृत पक्षी बरामद किए गए हैं। इन पक्षियों को मारने के बाद भोजन बनाने की तैयारी थी। पशु प्रेमी की सूचना पर डायल 112 की टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों को दबोच लिया। बरामद मृत पक्षी आईवीआरआई बरेली भेजे गए हैं।

वन दरोगा अशोक कुमार ने बताया कि पशु प्रेमी दीपेश दिवाकर ने सूचना दी थी। बताया था कि सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में मंडी समिति के सामने से पुलिस ने तीन शिकारियों को पकड़ा है। उनके पास एक थैले में मृत पक्षी मिले हैं।

वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और थैले से 16 मृत पक्षी अपने कब्जे में लिए। इनमें दो नीलकंठ, 10 कौवे या कोयल और चार बगुले शामिल थे। इन पक्षियों के पंख नोंच दिए गए थे और केवल मांस बचा था। आरोपियों के पास से मछली पकड़ने के कांटे और चूहे मारने की दो खटका मशीनें भी मिली हैं।

गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर और हापुड़ के रहने वाले हैं आरोपी

पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने अपना नाम पता गाजियाबाद के थाना दानशाही के गांव बझेड़ा निवासी विकास, गौतमबुद्धनगर जिले के गांव छलौन निवासी विक्रम, हापुड़ जिले के गांव हैदरनगर नागौल निवासी अम्मू बताया है। आरोपियों ने बताया कि उनके साथ एक महिला शिकारी थी जो कुछ देर पहले ही चली गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। महिला शिकारी की तलाश पुलिस कर रही है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

रिश्वत प्रकरण

सिंकदरा थाना प्रभारी व दरोगा लाइन हाजिर

दिनेश कुमार गौतम को थाने की मिली जिम्मेदारी

नवागंतुक दिनेश कुमार गौतम थाना प्रभारी

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने सिकंदरा थाना प्रभारी हरिओम प्रकाश त्रिपाठी व दरोगा चरन सिंह को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। एंटी करप्शन टीम द्वारा थाने में तैनात सिपाही गौरव कुमार को 6 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद यह कार्यवाही की गई है। वहीं एस पी ने थानाध्यक्ष के पद पर दिनेश कुमार गौतम को नियुक्त किया है।

बताते चलें कि एंटी करप्शन की टीम ने बीते सोमवार को कांस्टेबल गौरव को 6 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ थाना अकबरपुर में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

सूत्रों की माने तो कांस्टेबल गौरव कुमार थाना प्रभारी हरिओम प्रकाश त्रिपाठी के कारखास बताए जा रहे थे।सिकंदरा थाना क्षेत्र में एंटी करप्शन टीम की भ्रष्टाचार्य के खिलाफ बड़ी कार्यवाही देखने को मिली। सिकंदरा क्षेत्र में कांस्टेबल गौरव कुमार की गिरफ्तारी के बाद ओयो संचालकों और पुलिस की मिलीभगत की धुंधली तस्वीर साफ स्पष्ट हो गई है।

कांस्टेबल गौरव कुमार के काले कारनामे के बाद पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने थाना प्रभारी हरिओम प्रकाश त्रिपाठी व दरोगा चरन सिंह को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है।

मित्र बने, फर्जी मैसेज भेजकर खाते से उड़ाए एक लाख

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। गुजैनी थाना क्षेत्र में साइबर ठग ने भरोसे का फायदा उठाकर एक व्यक्ति से एक लाख रुपये की ठगी कर ली। ठग ने खुद को पीड़ित का परिचित अशोक बताकर पैसे खाते में भेजने का झांसा दिया और बाद में स्कैनर के माध्यम से रकम ट्रांसफर करा ली। पुलिस कमिश्नर को शिकायत भेजे जाने के बाद मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है।

तकनीकी खराबी' का बहाना बनाकर भेजे फर्जी ट्रांजैक्शन मैसेज

तात्याटोपे नगर, गुजैनी फेज-2 निवासी प्रताप नारायण शुक्ला ने बताया कि कुछ दिन पहले उनके फोन पर एक अनजान नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को मित्र अशोक बताते हुए कहा कि वह दूसरे नंबर से बात कर रहा है। उसने दावा किया कि एक व्यक्ति उसकी रकम भेजना चाहता है पर खाते में तकनीकी खराबी के कारण पैसा नहीं पहुंच पा रहा है, इसलिए वह रकम प्रताप के खाते में भेज रहा है।

कुछ देर बाद प्रताप के मोबाइल पर 70 हजार और 30 हजार रुपये आने के फर्जी मैसेज आए। ठग ने बहाना बनाते हुए कहा कि वह स्कैनर भेज रहा है, जिस पर यह रकम ट्रांसफर कर दें।

भरोसा करते हुए पीड़ित ने तीन बार में कुल एक लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।इसके बाद जब प्रताप ने अपना बैंक बैलेंस चेक किया तो उसे ठगी का एहसास हुआ। ठग के भेजे ट्रांजैक्शन मैसेज फर्जी निकले। आरोपी को कॉल करने की कोशिश की गई लेकिन उसका नंबर स्विच ऑफ मिला। इसके बाद उन्होंने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई।पीड़ित के अनुसार पुलिस कमिश्नर से फरियाद पर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। थाना पुलिस का कहना है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपित की तलाश जारी है।

बच्चों ने गणित ओलम्पियाड में नाम किया रोशन

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा के न्याय पंचायत गुरुगांव विद्यालय के छात्रों ने गणित ओलम्पियाड प्रतियोगिता मदर इंडिया पब्लिक स्कूल देवीपुर में हुई जिसमें मलासा ब्लॉक के 65 बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिसमे आलिया क्लास 8 की छात्रा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया था। फिर इनका चयन जिले स्तरीय गणित ओलम्पियाड 2025 के लिए किया गया। उन्हें जिला शिक्षा एवम प्रशिक्षण संस्थान पुखरायां में 100 प्रतिभागियों में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। प्रधानाध्यक संजय द्विवेदी, गीतांजलि, नमिता, अमिता सचान हीरापुर और शोभा सचान, रजनीश सक्सेना ने शुभकामनाएं दी।

बच्चों में नई ऊर्जा का संचार करना चाहिए

गुरूगांव में मासिक शिक्षक संकुल बैठक में कई विषयों पर चर्चा

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। मलासा विकास खंड के संविलयन उच्च प्राथमिक विद्यालय बिदखुरी में न्याय पंचायत गुरूगांव की मासिक शिक्षक संकुल बैठक की गई । बैठक में संकुल शिक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को अपने प्रयास और अनुभव के आधार पर बच्चों में एक नई ऊर्जा का संचार करना चाहिए जिससे छात्र छात्राओं में सीख की विषय वस्तु का समावेश उत्पन्न होगा जब हम अपने प्रयास और सुखद पल के अनुभव साझा करेंगे तो बच्चों को भी अपने विचारों को अभिव्यक्ति करने की जिज्ञासा पैदा होगी।

संकुल शिक्षक धर्मेन्द्र सैनी ने निपुण विद्यालय आकलन पर प्रभावी कार्ययोजना बनाने की रणनीत पर विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि हम सभी अभी से ही निपुण विद्यालय आकलन के प्रभावी कार्ययोजना तैयार करनी होगी । नोडल शिक्षक रजनीश सक्सेना ने सभी को विभागीय कार्यों को समय पर संपादित करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि विभागीय सूचनाओं को हम सभी को गम्भीरता से और समय पर पहुंचाने में योगदान देना चाहिए। जिससे समय पर कार्यों का निष्पादन किया जा सके। बैठक का संचालन शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष महेंद्र पाल ने किया । इस मौके पर संकुल शिक्षक शैलेन्द्र कटियार, गीता यादव, अमर सिंह, सुरेश कुमार, ऋचा सचान, कल्पना मिश्रा, शीलम सचान, ललिता सचान, रंजना सचान, सुहानी सचान, गीतांजलि, अजीत कुमार, बविता शर्मा, एकता सचान, प्रियंका सचान, शोभा सचान, सर्वेंद्र आदि शिक्षक शिक्षिकाएं रहे।

गंभीर अपराधों पर तुरंत हो कठोर कार्रवाई: एडीजी आलोक सिंह

माती पुलिस लाइन सभागार में कानून-व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा, लापरवाह थानेदारों पर होगी सख्त कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस लाइन माती स्थित सभागार कक्ष में कानपुर जोन के एडीजी आलोक सिंह ने जनपद के सभी सीओ और थाना प्रभारियों के साथ कानून-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में एडीजी ने स्पष्ट संदेश दिया कि गंभीर अपराधों पर तत्काल प्रभावी और कठोर कार्रवाई अनिवार्य है, लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक के दौरान आपराधिक प्रकरणों की स्थिति, लंबित शिकायतों के निस्तारण, चल रहे अभियानों की प्रगति, अपराध नियंत्रण की रणनीति और पुलिसिंग की गुणवत्ता पर विस्तार से मंथन किया गया। एडीजी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए,

गंभीर अपराधों पर तुरंत एक्शन लिया जाए, पुलिस गश्त एवं खुफिया तंत्र को मजबूत किया जाए, संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए।

उन्होंने कहा कि चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए रात्रि गश्त बढ़ाई जाए और पुलिस कर्मियों को क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रखा जाए, ताकि छोटी-बड़ी घटनाओं की समय पर जानकारी मिल सके। उन्होंने अपहृत किशोरियों की तलाश तेज करने और महिला संबंधी अपराधों में आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

एडीजी आलोक सिंह ने यह भी कहा कि अवैध शस्त्रों और मादक पदार्थों की बरामदगी को लेकर प्रयासों को और प्रभावी बनाया जाए। साथ ही गो-तस्करी और गोकशी के मामलों पर पूर्ण प्रतिबंध की नीति को सख्ती से लागू किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि अपराध रोकने में अक्षम थाना और चौकी प्रभारियों को तुरंत हटाया जाएगा। क्राइम और करप्शन किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

बैठक में एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय, एएसपी राजेश पाण्डेय, सीओ अकबरपुर संजय वर्मा, सीओ भोगनीपुर संजय सिंह, सीओ सिकंदरा प्रिया सिंह, सीओ लाइन आलोक सिंह, सीओ रसूलाबाद और सीओ डेरापुर सहित सभी थानेदार मौजूद रहे।

कानपुर में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का उत्साहपूर्ण स्वागत

» नैतिक पार्टी जिलाध्यक्ष ने राज्यपाल को किया सम्मानित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। राजनीतिक शुचिता और सार्वजनिक मर्यादाओं के उत्कर्ष का अनुपम दिग्दर्शन कराते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला का नगर आगमन पर नैतिक पार्टी के जिलाध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने शाल ओढ़ाकर अभिनंदन किया।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने उद्बोधन में जनसेवा को राजनीति की परम सार्थकता बताते हुए कहा कि नेतृत्व की प्रतिष्ठा तभी दिव्य होती है जब वह लोककल्याण में निमग्न हो। उनके वचनों की प्रज्ञा ने सभागार में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति के अंतर्मन को स्पर्श किया। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष, कानपुर देहात मनोज शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम के महत्व को और भी अधिक प्रतिष्ठित कर दिया। श्रीकांत शुक्ला द्वारा प्रदान किया गया यह सम्मान मात्र औपचारिक अनुष्ठान नहीं था, बल्कि समकालीन राजनीति में नैतिकता, मर्यादा और संस्कारों की पुनर्स्थापना का एक प्रतीकात्मक उपक्रम था। एक ऐसा उपक्रम जो आजकल की राजनीतिक हलचलों में विरले ही दिखाई देता है।

सद्भावना लान का पुलंदर गांव में 21 नवंबर को लोकार्पण

कैबिनेट मंत्री राकेश सचान करेंगे उद्घाटन, जिले में नाम रोशन कर रही पुलंदर ग्राम पंचायत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड के पुलंदर गांव में प्रधान प्रीति देवी प्रधान प्रतिनिधि वीके तिवारी द्वारा कराए गए पंचायत में बेहतर विकास, पारदर्शिता और जनहितकारी कार्यों को बढ़ावा देने के साथ साथ विकास कार्यों में एक और उपलब्धि भी जुड़ गई है। मुख्यमंत्री पुरस्कार योजना अंतर्गत कानपुर देहात की प्रथम पुरस्कार प्राप्त ग्राम पंचायत पुलंदर में वित्तीय वर्ष 2024.25 में मुख्यमंत्री पुरस्कार धनराशि द्वारा सद्भावना लान का निर्माण कार्य व लोकार्पण 21 नवंबर शुक्रवार दोपहर एक बजे होगा। यह जानकारी प्रधान प्रतिनिधि वीके तिवारी ने दी है। बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान करेंगे। वहीं कार्यकम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी कानपुर देहात कपिल सिंह व मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में खंड विकास अधिकारी मलासा संजय कन्नौजिया, एडीओ पंचायत अमिता वर्मा, वर्तमान पंचायत सचिव छत्रपाल, नम्रता राव, और रिंकल सिंह भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम ग्राम प्रधान प्रीति तिवारी व प्रधान प्रतिनिधि वी के तिवारी के सानिध्य में सम्पन्न किया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

मामला वास्तव में सेक्स रैकेट या हुई कोई गलतफहमी

रानोपाली का रहस्य

» अयोध्या में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ या झूठ-सच में पुलिस भी उलझी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी की शांत गलियों में इन दिनों एक ऐसी घटना ने सनसनी फैला दी है, जिसने कानून-व्यवस्था और सामाजिक नैतिकता दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रानोपाली स्थित एक मकान से सेक्स रैकेट चलने की सूचना पर पुलिस की दबिश ने पूरे क्षेत्र में खलबली मचा दी। तीन महिलाओं और एक अधेड़ व्यक्ति को हिरासत में लेकर पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि एक युवक अपनी बाइक मौके पर छोड़कर ऐसे फरार हुआ जैसे मकान पर नहीं, सीधे

अपराध स्थल पर पकड़ा गया हो।

स्थानीय लोगों और मकान मालिक की शिकायत पर पहुंची पुलिस ने तलाशी के दौरान तीन महिलाओं को संदिग्ध परिस्थितियों में पाया। मकान मालिक ने बताया कि पिछले कई दिनों से घर में संदिग्ध आवाजाही बढ़ गई थी, गली में आने-जाने वालों की हरकतें अजीब थीं, और रात के समय कुछ ऐसी गतिविधियां दिखीं जिन पर किसी भी जिम्मेदार नागरिक का ध्यान जाना ही था।

पुलिस के अनुसार महिलाओं ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वे अयोध्या दर्शन को आई थीं, और यातायात प्रतिबंध के कारण एक परिचित के घर रुक गईं। लेकिन स्थानीय निवासियों का कहना है, अगर दर्शन के लिए आई थीं तो ये गुपचुप आवागमन और बाइक छोडक़र भागने वाला युवक कौन था? सबसे बड़ा संदेह उस युवक पर है जो पुलिस आती देख अपनी मोटरसाइकिल छोडक़र भाग गया। कई बार बुलावे के बावजूद बाइक लेने नहीं लौटा जो कि सामान्य परिस्थितियों में कोई नहीं करता। पुलिस ने बाइक को कब्जे में ले लिया है और उसके नंबर के आधार पर मालिक की तलाश की जा रही है।कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि पकड़े गए सभी लोगों से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस मकान मालिक, पड़ोसियों, और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मामला वास्तव में सेक्स रैकेट का है या किसी गलतफहमी के चलते बढ़ा हुआ विवाद। लेकिन सवाल यह भी है क्या अयोध्या में बढ़ती आबादी और विकसित होते शहर की आड़ में इस तरह के रैकेट पनप रहे हैं?

पूर्व सांसद निर्मल खत्री सहित तीन पर एमपी-एमएलए कोर्ट ने जारी किया नोटिस

समीर पांडेय आत्महत्या केस में नया मोड

» विद्यालय भूमि विवाद से जुड़ी आत्महत्या पर फिर खुली कानूनी फाइलें

» दो बार की विवेचना के बाद भी न्याय की लड़ाई अभी जारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। समीर पांडेय आत्महत्या प्रकरण एक बार फिर सुर्खियों में है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तथा फैजाबाद के पूर्व सांसद निर्मल खत्री, विद्यालय के प्राचार्य आलोक तिवारी और सुखदेव तिवारी के खिलाफ एमपी/एमएलए कोर्ट ने नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। न्यायाधीश सुरेंद्र मोहन सहाय द्वारा दिया गया यह आदेश इस बहुचर्चित मामले में एक नए अध्याय की शुरुआत माना जा रहा है।

मामले की जड़ में है ड्योढ़ी स्थित विद्यालय की भूमि का विवाद, जो कई वर्षों से कोठापार्चा निवासी अंजनी कुमार पाण्डेय और विद्यालय प्रबंधन के बीच पनपा। भूमि का यह विवाद जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी सोहावल और सोसाइटी रजिस्ट्रार तक पहुंच चुका है, जहां मुकदमे अभी भी विचाराधीन हैं। अंजनी पांडेय के बेटे समीर पाण्डेय ने अपने परिवार को बताया था कि उन्हें मुकदमा न लडऩे के लिए निर्मल खत्री की ओर से धमकाया जा रहा है। इसी तनाव और दबाव के बीच 2 अक्टूबर 2018 की रात समीर ने आत्महत्या कर ली। इस घटना ने पूरे शहर को झकझोर दिया था।

डॉ0 निर्मल खत्री पूर्व सांसद फैज़ाबाद

आत्महत्या के बाद कोतवाली नगर में पूर्व सांसद निर्मल खत्री, प्राचार्य आलोक तिवारी और सुखदेव तिवारी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई थी।

लेकिन पुलिस ने विवेचना के बाद मामले में फाइनल रिपोर्ट लगा दी। वादी द्वारा प्रोटेस्ट करने पर अदालत के आदेश पर दोबारा विवेचना हुई, जिसके बावजूद फिर से फाइनल रिपोर्ट लगाकर मामला न्यायालय में भेज दिया गया। अब, परिवादी अंजनी पाण्डेय द्वारा दाखिल क्रिमिनल रिवीजन पर सुनवाई के बाद एमपी/एमएलए कोर्ट ने तीनों आरोपियों पर नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। इससे यह केस एक बार फिर कानूनी लड़ाई के केंद्र में आ गया है। इस नोटिस से मामले की संवेदनशीलता और राजनीतिक गर्मी दोनों बढ़ चुकी हैं। पीड़ित पक्ष का दावा है कि वे सिर्फ अपने बेटे को न्याय दिलाने की लड़ाई लड़ रहे हैं, जबकि आरोपित पक्ष अभी भी खुद को निर्दोष बता रहा है। आने वाली सुनवाई इस पूरे प्रकरण की दिशा तय करेगी।

.. तो क्या डेढ़ करोड़ दबाकर बैठा अयोध्या विकास प्राधिकरण

» नियावां चौराहा, रिकाबगंज मार्ग का नवीनीकरण छह माह से अटका,

» शासन की ओर से दी गई 1.54 करोड़ की धनराशि भी निष्प्रयोज्य

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) की सुस्ती एक बार फिर विकास कार्यों पर भारी पड़ रही है। नियावां चौराहा से आर्य कन्या इंटर कॉलेज होते हुए रिकाबगंज और फिर हनुमानगढ़ी के सामने रामपत तक जाने वाली महत्वपूर्ण सडक़ के नवीनीकरण कार्य को छह महीने बीत जाने के बाद भी शुरू नहीं कराया गया है।

इस सडक़ की स्थिति लगातार बिगड़ रही है, जबकि शासन ने करीब छह माह पहले ही 1 करोड़ 54 लाख रुपये नवीनीकरण के लिए जारी कर दिए थे। बावजूद इसके एडीए इस धनराशि पर बैठा हुआ है और ज़मीन पर एक भी ईंट नहीं हिली। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मार्ग धार्मिक, शैक्षणिक और व्यावसायिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। हनुमानगढ़ी और रामपत के मार्ग पर श्रद्धालुओं की आवाजाही सबसे अधिक रहती है, लेकिन सडक़ की जर्जर हालत हादसों को दावत दे रही है। वहीं, एडीए की चुप्पी और काम शुरू न होने के कारण प्रशासनिक कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई 1.54 करोड़ की राशि का उपयोग न कर पाना प्राधिकरण की लापरवाही का बड़ा उदाहरण माना जा रहा है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारी संगठन अब एडीए की कार्यप्रणाली पर नाराजग़ी जाहिर कर रहे हैं और सडक़ नवीनीकरण तत्काल शुरू कराने की मांग कर रहे हैं।

जालौन जिले को मिला राष्ट्रीय जल पुरस्कार

राष्ट्रपति ने डीएम राजेश कुमार पांडेय को किया सम्मानित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उरई/लखनऊ। राष्ट्रीय जल संरक्षण के क्षेत्र में जालौन जिले द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को केंद्र सरकार ने बड़ी सराहना दी है। नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह में जालौन को उत्तर भारत क्षेत्र में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जालौन के जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस उपलब्धि पर राष्ट्रपति ने जालौन मॉडल की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि बुंदेलखंड जैसे जल-संकटग्रस्त क्षेत्र में इस प्रकार की पहल देश के लिए अनुकरणीय है।

राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किए जाने के बाद जिले में खुशी का माहौल है। जालौन के नाम यह उपलब्धि जनपद को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाने वाली साबित हुई है।

विभिन्न विभागों के समन्वय से जिले में हुए कार्य

तालाबों का गहरीकरण और पुनर्जीवन
सूखे कुओं का पुनरुद्धार
चेक डैम और स्टॉप डैम का निर्माण
सोक पीट व बंधी निर्माण
वर्षा जल संचयन संरचनाओं का विकास
खेत-तालाब योजना का विस्तार
वन क्षेत्र में ट्रेंच व जलतारा निर्माण
परंपरागत जल स्रोतों का संरक्षण जैसे कार्य व्यापक पैमाने पर किए गए।

जल जीवन मिशन में भी सराहनीय प्रदर्शन

जिले में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में भी महत्वपूर्ण सुधार दर्ज किया गया, जिसके चलते जालौन प्रदेश के बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों में शामिल हुआ है।इन प्रयासों का सकारात्मक असर यह हुआ कि कई गांवों में भू-जल स्तर बढ़ा और बारिश के पानी के संरक्षण से किसानों को सिंचाई में प्रत्यक्ष लाभ मिला। जनभागीदारी बढ़ाने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और गांवों में जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

जिले को मिला दो करोड़ रुपये का इंसेंटिव

राष्ट्रीय उपलब्धि के लिए जालौन को दो करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी गई है, जिसका उपयोग भविष्य के जल संरक्षण प्रोजेक्ट्स में किया जाएगा।

सम्मान प्राप्त करने के बाद जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने कहा कि यह पुरस्कार जालौन के प्रत्येक नागरिक के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

जल संरक्षण को लोगों ने अभियान नहीं, बल्कि जन आंदोलन बनाया। हमारा संकल्प है कि यह मिशन आगे और अधिक मजबूती के साथ जारी रहेगा।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय के नेतृत्व में पिछले दो वर्षों में जालौन में जल संरक्षण को लेकर कई बड़े और प्रभावी कदम उठाए गए।

लखनऊ के स्कॉलर्स होम स्कूल के वार्षिकोत्सव में रही धूम

» कार्यक्रमों में दिखा कला, संस्कृति और संवेदना का अद्भुत संगम

‘» लायन किंग’ और ‘सिंड्रेला’ ने दिए जीवन, आशा और मानवीय संबंधों के सार्थक संदेश

» ‘हम क्यों हुए पराए’ ने झकझोरा मन, छोड़ी गहरी छाप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। गोमती नगर स्थित स्कॉलर्स होम स्कूल में वार्षिकोत्सव 2025 बड़े उल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से कला, संस्कृति और संवेदना का जीवंत चित्र प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।%बार्बी वर्ल्ड' की प्रस्तुति ने बच्चों की कल्पनाशीलता और उत्साह से वातावरण को उल्लासमय बना दिया। 'लायन किंग' ने संघर्ष और आत्मविश्वास का संदेश दिया, जबकि 'सिंड्रेला' ने आशा और सद्गुण की शक्ति को रेखांकित किया। वहीं हिंदी नाटक 'हम क्यों हुए पराए' ने वृद्धाश्रम के मार्मिक दृश्य के माध्यम से आज के पारिवारिक मूल्यों और माता-पिता के प्रति बदलते दृष्टिकोण पर गहरी छाप छोड़ी।

‘पिरामिड’ और ‘कराटे’ प्रदर्शन ने विद्यार्थियों के अनुशासन और टीमवर्क को उजागर किया, जबकि ‘थेस्पियन ऑफ वेलौर’ ने अभिनय कौशल से सभी का मन मोह लिया। ‘मेडली ऑफ भरतनाट्यम, बैले और स्पैनिश डांस’ ने भारतीय और वैश्विक नृत्य शैलियों का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। ‘युगों की गाथा’ ने भारतीय संस्कृति के विकास और युग परिवर्तन की सजीव झलक दिखाई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेजर जनरल विक्रम कुमार, एडिशनल डायरेक्टर जनरल, एन.सी.सी. उत्तर प्रदेश ने कहा कि बच्चों ने जिस तरह से कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं उससे यह स्पष्ट है कि स्कॉलर्स होम उन्हें गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को भी निखारने का कार्य कर रहा है। दृढ़ निश्चय, अनुशासन और कठोर परिश्रम से बच्चे जीवन में किसी भी ऊंचाई को छू सकते हैं, यह स्कॉलर्स होम के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से साबित कर दिया है।

विशिष्ट अतिथि श्री योगेश्वर राम मिश्रा, सदस्य (प्रशासनिक), उत्तर प्रदेश राज्य लोक सेवा अधिकरण ने विद्यार्थियों के परिश्रम की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर अध्यक्ष सेंट्रल बार एसोसिएशन श्री अखिलेश जायसवाल, पूर्व कमिश्नर श्री जगत राज त्रिपाठी, पूर्व सूचना आयुक्त श्री स्वदेश कुमार भी मौजूद रहे।

निदेशक श्रीमती सरिता जायसवाल और प्रधानाचार्या श्रीमती अनुपम सिंह ने विद्यार्थियों की प्रतिभा तथा शिक्षकों के समर्पण की सराहना करते हुए विद्यालय की निरंतर प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की। कॉलेज के संस्थापक अध्यक्ष श्री अजय कुमार ने विद्यालय की उत्कृष्ट यात्रा का स्मरण कर सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया।

पीएम मोदी 25 नवंबर को आएंगे अयोध्या अतिथियों के स्वागत की तैयारी

राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 नवंबर को एयरफोर्स के विशेष विमान से अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरेंगे। यहां से वह चॉपर द्वारा साकेत डिग्री कॉलेज परिसर में बनाए गए हेलीपैड के लिए उड़ान भरेंगे। हेलीपैड निर्माण की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री के प्रोटोकाल के अनुरूप पीडब्ल्यूडी के प्रांतीय खंड को दी गई है। एयरपोर्ट पर पीएम की अगवानी करने वालों को उनके आगमन से पहले सिक्योरिटी होल्डिंग एरिया में बैठाया जाएगा। साकेत कॉलेज पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री करीब 300 मीटर की दूरी सड़क मार्ग से तय कर रामजन्मभूमि परिसर में आदिगुरु शंकराचार्य द्वार से प्रवेश करेंगे। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक इस मार्ग को सबसे सुरक्षित माना जा रहा है।

» **एयरपोर्ट से चॉपर द्वारा साकेत कॉलेज हेलीपैड पहुंचेंगे पीएम, सुरक्षा व्यवस्था पर एसपीजी की अंतिम मुहर बाकी**

» **सात हजार अतिथियों के स्वागत की तैयारी, अति विशिष्ट अतिथियों में कई प्रमुख उद्योगपतियों के शामिल होने की चर्चा**

सूत्रों के अनुसार अंतिम निर्णय एसपीजी की सहमति के बाद ही तय होगा। एसपीजी टीम के कार्यक्रम से तीन दिन पहले अयोध्या पहुंचने की संभावना है।

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन बीते 10 दिनों से तैयारियों में जुटा है। एसपीजी से समन्वय की जिम्मेदारी जिलाधिकारी निखिल टी. फुंडे ने अपर जिलाधिकारी (नगर) योगानंद पांडेय को सौंपी है। वह पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर सुरक्षा और कार्यक्रम व्यवस्थाओं का समन्वय करेंगे।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार कार्यक्रम में करीब 7 हजार अतिथियों के शामिल होने की संभावना है। इनमें 1 हजार अति विशिष्ट और 6 हजार विशिष्ट अतिथि होंगे। विशिष्ट अतिथियों में अवध, काशी, गोरक्ष और कानपुर प्रांत के प्रतिनिधि शामिल हैं, जिनमें किसान, ड्राइवर और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी होंगे।

अति विशिष्ट अतिथियों की सूची में देशभर से उद्योगपति और अन्य प्रमुख हस्तियों के नाम चर्चा में हैं। इनमें रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी, पद्मनाथ जिंदल मफतलाल, रूपल विशद मफतलाल, संजय सिंघल, मयंक सिंघल, डॉ. एम. सत्यनारायण रेड्डी, गोविंद विनायक जोशी, अनिल कुमार जोशी, प्रतिभा जोशी, चिराग लाखी, उदित आनंद, विजय आनंद, अशोक गोयल और कविता गोयल के नाम प्रमुख हैं।

धर्म ध्वजा के सम्मान में अयोध्या की प्रजा एक साथ

» **बाबरी पक्षकार रहे इकबाल अंसारी भी होंगे समारोह में**

» **अयोध्या ने पूरे मन से स्वीकारा राम मंदिर का अध्याय**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या में 25 नवंबर को होने वाला धर्म ध्वजारोहण समारोह केवल धार्मिक परंपरा का अनुष्ठान नहीं, बल्कि समरसता, स्वीकार और राष्ट्रीय एकात्मता की एक अनोखी मिसाल बनने जा रहा है। इस कार्यक्रम की व्यापकता और आध्यात्मिक आभा का अंदाज़ा इसी से लगाया जा सकता है कि बाबरी विध्वंस मामले के प्रमुख पक्षकार रहे इकबाल अंसारी भी समारोह में शामिल होने जा रहे हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा मुझे मोबाइल फोन पर निमंत्रण प्राप्त हुआ है, मैं भी ध्वजारोहण समारोह में जाऊंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ रहे हैं और शहर में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है। 2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सभी ने स्वीकार किया है, मुसलमानों ने भी।

इकबाल अंसारी ने साफ कहा कि जिनकी आस्था मंदिर में थी, उन्हें मंदिर मिल गया है। भूमि पूजन और प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अब ध्वजारोहण का अवसर है अयोध्या खुश है। उनका यह बयान अयोध्या में बदलते सामाजिक वातावरण और सौहार्द की नई धारा का प्रतीक माना जा रहा है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस दिन लगभग चार घंटे अयोध्या में प्रवास करेंगे। उनके दौरे की शुरुआत अत्यंत पवित्र सप्त ऋषि मंदिर से होगी, जहां वैदिक आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजा-अर्चना संपन्न कराई जाएगी। इसके बाद प्रधानमंत्री शेषावतार मंदिर पहुंचकर भगवान राम के अनन्य भक्त लक्ष्मण के सम्मुख आराधना करेंगे।

11:58 से 1 बजे का शुभ मुहूर्त

ध्वजारोहण समारोह का शुभ मुहूर्त 11:58 बजे से दोपहर 1 बजे तक निर्धारित है। इसी पवित्र काल में प्रधानमंत्री मोदी राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज पताका फहराएंगे। धर्म ध्वज फहरने के बाद प्रधानमंत्री देश को संबोधित करेंगे और राम मंदिर निर्माण की पूर्णता की औपचारिक घोषणा भी करेंगे जो अयोध्या की 500 वर्षों की यात्रा का पूर्ण विराम और नए युग का शुभारंभ माना जा रहा है।

राम मंदिर के शिखर पर ध्वज पताका फहराने का दो बार हुआ सफल ट्रायल

» सभी तकनीकी तैयारियां पूरी, लोगों में उल्लास

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। अयोध्या के राम मंदिर में 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण समारोह की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री योगी ने खुद सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

राम मंदिर में 25 नवंबर को होने वाला ध्वजारोहण समारोह ऐतिहासिक बनने जा रहा है। राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज पताका फहराने के साथ सात अन्य मंदिरों में भी ध्वज पताका फहराई जाएगी। इनमें शेषावतार मंदिर और परकोटा क्षेत्र के छह पंचायती मंदिर शामिल हैं।

राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र के अनुसार ध्वज पताका का दो बार सफल ट्रायल किया जा चुका है और कार्यक्रम की सभी तकनीकी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक न हो और रामलला के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं और अतिथियों से सौहार्दपूर्ण व्यवहार किया जाए। 25 नवंबर को ध्वजारोहण के चलते श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन नहीं मिल पाएंगे, लेकिन 26 नवंबर को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, जो प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी।

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि 11 मीटर चौड़ी और 22 मीटर लंबी पताका को रस्सी, पुली और मशीन सिस्टम की मदद से शिखर तक पहुंचाया जाएगा। पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने के लिए विशेषज्ञों की टीम तैनात की गई है।

गांधारी के श्राप से मुलायम सिंह को जोड़ने पर बरसा क्रोध

इंडिया टुडे की कवर स्टोरी पर सपा का महासंग्राम...!

लखनऊ से नोएडा तक सपा कार्यकर्ताओं का हल्लाबोल प्रदर्शन

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

राजधानी लखनऊ में बुधवार को सियासी पारा अचानक चढ़ गया। मौका था समाजवादी पार्टी (सपा) छात्र सभा के कार्यकर्ताओं के जोरदार विरोध प्रदर्शन का, जो एक निजी निजी पत्रिका में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके परिवार पर की गई टिप्पणी से बुरी तरह नाराज थे। यह पूरा विवाद इंडिया टुडे समूह की एक कवर स्टोरी को लेकर शुरू हुआ है, जिसमें गांधारी के श्राप का जिक्र करते हुए उसे सीधे तौर पर मुलायम सिंह यादव के परिवार से जोड़ दिया गया है। इस आपत्तिजनक तुलना से आक्रोशित होकर, सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर हल्ला बोल दिया और पत्रिका को जलाकर अपना विरोध दर्ज कराया।

इंडिया टुडे ने अपनी कवर स्टोरी में महाभारत के एक प्रसंग का सहारा लिया है। स्टोरी के मुताबिक, गांधारी ने भगवान कृष्ण को श्राप दिया था कि यदुवंश आपसी लड़ाई के चलते नष्ट हो जाएगा, और पत्रिका ने इसी श्राप का असर मुलायम सिंह यादव के वंश में भी बताया। पत्रिका ने टिप्पणी की कि इसी श्राप के चलते यादव परिवार में आपस में जमकर सिर फुटव्वल है और परिवार की राजनीति का ग्राफ पतन की ओर है। इस तुलना ने समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की भावनाओं को बुरी तरह आहत किया है और वे इसे पार्टी नेतृत्व का अपमान मान रहे हैं।

पत्रिका की इस स्टोरी के चलते समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता केवल लखनऊ तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि विरोध प्रदर्शन की आग लखनऊ से लेकर नोएडा तक फैल गई है। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे समाजवादी पार्टी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पत्रिका को जलाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया और इंडिया टुडे समूह के खिलाफ नारे लगाए। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए, पुलिस ने तुरंत हरकत में आते हुए सभी प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया और उन्हें इको गार्डन भेज दिया। विरोध प्रदर्शन की गंभीरता को देखते हुए, नोएडा की फिल्म सिटी, जहां आजतक/इंडिया टुडे समूह का दफ्तर स्थित है, वहां भी बड़ी संख्या में यूपी पुलिस सुरक्षा के लिए तैनात कर दी गई है।

उनके परिवारों की कहानियां क्यों नहीं छापतेः अखिलेश

समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए लिखा- प्रिय परिवारवालों, कुछ मीडिया हाउस हमारे महाकाव्यों की बातों और संदर्भों को गलत तरीके से प्रस्तुत करके उनका अपमान कर रहे हैं और इन महाकाव्यों को माननेवालों की धार्मिक भावनाओं को आहत भी कर रहे हैं। ये राजनीतिक 'दानाजीवी मीडिया हाउस' बार-बार परिवारवाद के नाम पर जो एजेंडा चला रहे हैं। दरअसल सत्ता-भक्ति में लीन ये लोग जाने-अनजाने में 'परिवार' के नाम पर हमारी पौराणिक महागाथाओं का मखौल उड़ा रहे हैं। ये जिन स्वार्थी लोगों के लिए काम कर रहे हैं, वो स्वयं परिवार और संबंधों को कोई महत्व नहीं देते हैं। ये 'मीडिया हाउस' उनके परिवारों की कहानियाँ छापने की हिम्मत क्यों नहीं दिखाते हैं?

सीएम योगी ने दी तीन शहरों के ट्रांसफॉर्मेशन को हरी झंडी!

मेरठ, कानपुर, मथुरा-वृंदावन विकास योजना की समीक्षा

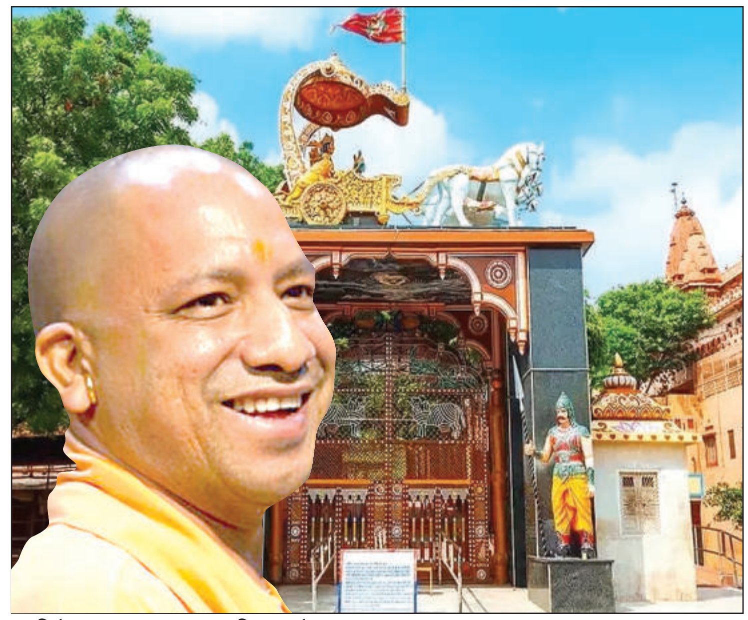

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन के समग्र नगरीय विकास की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि इन नगरों का विकास केवल सड़कों और इमारतों के निर्माण तक सीमित न हो, बल्कि उनका स्वरूप ऐसा बने जिसमें स्थानीय पहचान, इतिहास, संस्कृति और आधुनिक सुविधाओं का संतुलन दिखे।

उन्होंने निर्देश दिया कि योजनाएं चरणबद्ध ढंग से लागू हों, कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं और नागरिकों को इसका प्रत्यक्ष लाभ दिखे। मुख्यमंत्री ने मेरठ में प्रस्तावित बिजली बम्बा बाईपास को लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर की तर्ज पर पीपीपी मोड में विकसित करने की संभावना तलाशने के निर्देश दिए।

बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीनों मंडलों के मंडलायुक्तों ने बारी-बारी से अपनी कार्ययोजना से अवगत कराया। बताया गया कि अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर और प्रयागराज की तर्ज पर अब मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन के लिए भी समेकित विकास मॉडल अपनाया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों से विमर्श और विभागों के बीच समन्वय के आधार पर इन शहरों में कुल 478 परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई है। इनमें मेरठ में 111, कानपुर में 109 और मथुरा-वृंदावन में 258 परियोजनाओं का विकास प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं को अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक श्रेणी में विभाजित कर स्पष्ट समयसीमा तय की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के लिए नवाचार, बेहतर प्रबंधन और वित्तीय संयोजन पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर निजी क्षेत्र का सहयोग लेने और जहां संभव हो वहां पीपीपी मोड अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास का उद्देश्य ऐसा शहरी ढांचा तैयार करना है जो यातायात को सुगम बनाए, पैदल यात्रियों और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दे, हरे-भरे शहरों की दिशा में आगे बढ़े और स्थानीय पहचान को मजबूत करे। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के लिए यदि अतिरिक बजट की आवश्यकता होगी तो उसे उपलब्ध कराया जाएगा।

18 लोगों की मौत वाले धमाके में मोहम्मद इलियास हुआ बरी

हाईकोर्ट का झटका! अभियोजन के सबूत निकले कमजोर

मोदीनगर बस ब्लास्ट

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 1996 के मोदीनगर-गाजियाबाद बस बम विस्फोट मामले में मोहम्मद इलियास की दोषसिद्धि इस आधार पर रद्द कर दी है कि अभियोजन पक्ष अपीलकर्ता के खिलाफ आरोप सिद्ध करने में विफल रहा। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की पीठ ने इलियास द्वारा दायर अपील स्वीकार कर ली और उसे बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपीलकर्ता के खिलाफ आरोपों को सिद्ध करने में बुरी तरह विफल रहा और पुलिस द्वारा दर्ज कथित स्वीकारोक्ति बयान, साक्ष्य अधिनियम की धारा 25 के तहत अस्वीकार्य है।

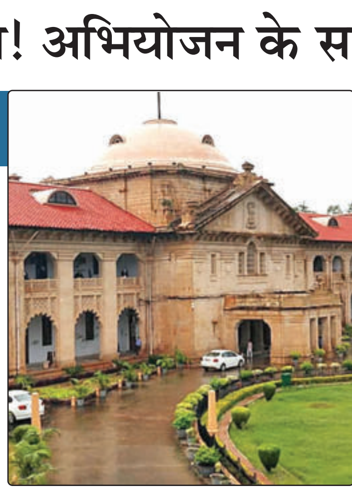

अदालत ने 10 नवंबर के अपने आदेश में कहा कि वह भारी मन से बरी करने का आदेश पारित कर रही है क्योंकि यह मामला ऐसी प्रवृत्ति का है कि उसने समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया था। इस आतंकी हमले में 18 लोगों की जान गई थीं। उच्च न्यायालय ने कहा कि अभियोजन पक्ष ये आरोप साबित करने में बुरी तरह विफल रहा कि अपीलकर्ता ने बस में बम विस्फोट करने के लिए सह आरोपियों के साथ मिलकर एक बम रखने का षड़यंत्र रचा। इसलिए निचली अदालत में दोषसिद्धि के तथ्य और अपीलकर्ता को दी गई सजा रद्द किए जाने योग्य है।

दर्ज कबूलनामा अस्वीकार्य, गवाह भी मुकर गए

अदालत ने कहा कि निचली अदालत ने पुलिस की उपस्थिति में दर्ज अपीलकर्ता के कथित कबूलनामे के ऑडियो कैसेट पर भरोसा करते हुए भारी कानूनी त्रुटि की। यदि इस साक्ष्य को अलग कर दिया जाए तो आरोप के समर्थन में अपीलकर्ता के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं है। वहीं अपीलकर्ता और सह आरोपियों की न्यायेतर स्वीकारोक्ति के गवाह सुनवाई के दौरान मुकर गए और अभियोजन के मामले में समर्थन नहीं किया।

लखनऊ: पर्यटन मंत्री के बंगले के पास मां-बेटे ने खाया जहर

पर्ची में मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी पर लगाये आरोप

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। लखनऊ में बुधवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। मथुरा से आए मुकेश सिंह और उनकी मां बलजीत सिंह ने पर्यटन मंत्री के सरकारी आवास के पास ज़हर खा लिया। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

मामला तब सामने आया जब पुलिस को मौके से एक पर्ची बरामद हुई। उस पर्ची में मुकेश सिंह ने लिखा, भूमाफिया ने 43 लाख रुपये लेने के बाद भी हमें मकान नहीं दिया और लगातार धमकाता रहा कि कुछ नहीं कर पाओगे क्योंकि यूपी के मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी हमारे बिजनेस पार्टनर हैं।